भारतीय विद्यालय डारसेट

हिंदी कार्यपत्रिका -2

गिल्लू - प्रश्नोत्तर

तैयार किया गया : श्रीमती बीना स्टिफन

दिनांक : _____ छात्र /छात्रा का नाम : _____

कक्षा : IX "ब"

	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।	
1.	सोनजुही में लगी पीली कली को देख लेखिका के मन में कौन से विचार उमड़ने लगे?	
उ.	सोनजुही में लगी पीली कली को देख लेखिका के मन में यह विचार आया कि गिल्लू सोनजुही के पास ही मिट्टी में दबाया गया था। इसलिए अब वह मिट्टी में विलीन हो गया और उसे चौंकाने के लिए सोनजुही के पीले फूल के रूप में फूट आया होगा।	
2.	पाठ के आधार पर कौए को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी क्यों कहा गया है?	
उ.	कौए को समादरित इसलिए कहा गया है क्योंकि पितर पक्ष में उसकी पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि उसे खिलाने से हमारे पूर्वजों का पेट भरता है। दूसरे, जब ये कौए बोलते हैं तो हमें अपने किसी प्रियजन के आने की सूचना मिलती है। कौए को अनादरित अर्थात् अपमानित इसलिए कहा गया है क्योंकि उसकी काँव-काँव को कर्कश माना गया है। उसकी कठोर आवाज़ को कोई पसंद नहीं करता।	
3.	गिलहरी के घायल बच्चे का उपचार किस प्रकार किया गया ?	
उ.	महादेवी वर्मा ने गिलहरी के घायल बच्चे का उपचार बड़े ध्यान से ममतापूर्वक किया। पहले उसे कमरे में लाया गया। उसका खून पोंछकर घावों पर पेंसिलिन लगाई गई। उसे रूई की बत्ती से दूध पिलाने की कोशिश की गई। परंतु दूध की बूँदें मुँह के बाहर ही लुढ़क गईं। कुछ समय बाद मुँह में पानी टपकाया गया। इस प्रकार उसका बहुत कोमलतापूर्वक उपचार किया गया।	
4.	लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था?	
उ.	गिल्लू लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए सर्र से परदे के ऊपर चढ़ जाता और तेज़ी से नीचे उतर आता था। वह तब तक लगातार ऐसा करता ही रहता था, जब तक कि महादेवी	

	उठकर उसे लिफाफे में बंद न कर दें।	
5	गिल्लू को मुक्त करने की आवश्यकता क्यों समझी गई और उसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किया?	
उ.	महादेवी ने देखा कि गिल्लू अपने हिसाब से जवान हो गया था। उसका पहला वसंत आ चुका था। खिड़की के बाहर कुछ गिलहरियाँ भी आकर चिकचिक करने लगी थीं। गिल्लू उनकी तरफ प्यार से देखता रहता था। इसलिए महादेवी ने समझ लिया कि अब उसे गिलहरियों के बीच स्वच्छंद विहार के लिए छोड़ देना चाहिए। लेखिका ने गिल्लू की जाली की एक कील इस तरह उखाड़ दी कि उसके आने-जाने का रास्ता बन गया। अब वह जाली के बाहर अपनी इच्छा से आ-जा सकता था।	
6.	गिल्लू किन अर्थों में परिचारिका की भूमिका निभा रहा था?	
उ.	जिन दिनों महादेवी वर्मा अस्वस्थ होकर घर में लेटी हुई थी, तब गिल्लू उनके सिरहाने बैठा रहता था। वह बड़ी कोमलता से अपने नन्हे-नन्हे पंजों से उसके सिर और बालों को सहलाया करता था। इस तरह वह एक अच्छी सेविका की भूमिका निभा रहा था।	
7.	गिल्लू की किन चेष्टाओं से यह आभास मिलने लगा था कि अब उसका अंत समय समीप है?	
उ.	गिल्लू की निम्नलिखित चेष्टाओं से महादेवी को लगा कि अब उसका अंत समीप है- • उसने दिन भर कुछ नहीं खाया। • वह रात को अपना झूला छोड़कर महादेवी के बिस्तर पर आ गया और उनकी उँगली पकड़कर हाथ से चिपक गया।	
8.	प्रभात की प्रथम किरण के स्पर्श के साथ ही वह किसी और जीवन में जागने के लिए सो गया–का आशय स्पष्ट कीजिए।	
उ.	जैसे ही सवेरा हुआ, गिल्लू इस जीवन को छोड़कर अगले किसी जीवन में जन्म लेने के लिए चला गया। आशय यह है कि सुबह होते ही उसकी मृत्यु हो गई।	
9.	सोनजुही की लता के नीचे बनी गिल्लू की समाधि से लेखिका के मन में किस विश्वास का जन्म होता है?	
उ.	सोनजुही की लता के नीचे गिल्लू की समाधि बनी थी। इससे लेखिका के मन में यह विश्वास जम गया कि एक-न-एक दिन यह गिल्लू इसी सोनजुही की बेल पर पीले फूल के रूप में जन्म ले लेगा।	